an>

Tilte: Need to provide financial assistance to farmers who suffered loss of crops due to unseasonal rains and hailstorms in Uttar Pradesh particularly in Sambhal Parliamentary Constituency.

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत) : मैं सरकार का ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से चौपट हुई खेती की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ। इससे उत्पन्न भयावह स्थिति से किसानों के हौसलें पस्त हो गए हैं। पहले से भारी कर्ज और उनकी चौपट हुई खेती से सदमे में जी रहे किसानों की मौत का सिलसिला बदस्तूर जारी है। देश में सैंकड़ों किसानों की मौत के बाद हाल में ही इस आपदा के कारण 35 और किसानों की मौत उत्तर प्रदेश में हो गई है। उत्तर प्रदेश में मरने वाले किसानों में मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, बागपत, बाराबंकी, बरेली, सुल्तानपुर, झांसी, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा अलीगढ़ और संभल आदि जिलों के किसान शामिल हैं। यह अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश अब सालाना आने वाली आपदा बन गई है। हमें इसके लिए सचेत होने की जरूरत है। इसके लिए एक अलग से बजट की आवश्यकता आन पड़ी है। इस योजना के लिए पर्याप्त मात्रा में निधि की आवश्यकता है ताकि अचानक हुए इस आपदा से उत्पन्न समस्याओं से किसानों को तत्काल धनराशि देकर राहत व मरने से बचाया जा सके। किसान भारत के मुख्य स्तंभ है। हमें इन्हें और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया यह कदम निश्चित ही मील का पत्थर साबित होगा।

माननीय प्रधानमंत्री जी को, माननीय कृषि मंत्री जी को मैं धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने किसानो की चिन्ता करते हुए फसल का मुआवजा बढ़ाकर डेढ़ गुना किया और 50 औ से घटाकर 33 औ नुकसान भी हो तो भी मुआवजा मिलेगा 5700 करोड़ राशि भी दे दे।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि उपरोक्त कारणों से किसानों की जो बड़ी तादाद में फसलें नष्ट हुई हैं जिस कारण किसानों ने आत्महत्या की हैं, उनके परिवारों को आर्थिक मदद एवं क्षतिपूर्ति यथाशीघ्र दिलाने की कृपा की जाए।